Total Pages : 3 **Roll No. ----------**

DMA-104

ग्रहोपचार के विविध आयाम

Diploma in Medical Astrology (DMA)

प्रथम वर्ष, सत्र जून 2022

Time: 2 Hours Max. Marks: 100

नोट : यह प्रश्न पत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड –क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2 x 26 = 52]

Q.1. त्रिदोष से क्या तात्पर्य है, स्पष्ट कीजिए।

अथवा

शरीर में रोग कब उत्पन्न होते हैं।

P.T.O.

Q.2. कर्म क्या है व कितने प्रकार के हैं दार्शनिक विवेचना कीजिए।

Q.3. ज्योतिष में रोग विचार पर निबंध लिखिए।

Q.4. कर्म फल सिद्धांत पर विस्तृत निबंध लिखिए।

Q.5. ग्रह राशि भावों का विस्तृत परिचय दीजिए।

अथवा

ग्रह दशा के अनुसार रोग विचार पर प्रकाश डालिए।

खण्ड – ख

लघु उत्तरों वाले प्रश्न

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बाराह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4 x 12 = 48]

Q.1. प्रारब्ध कर्म एंव उसके फल पर प्रकाश डालिए।

Q.2. ग्रहों के रोग कारकत्वों की विवेचना कीजिए।

Q.3. कफ विकृति से कौन–कौन से रोग उत्पन्न होते हैं।

Q.4. गोचर कुंडली के निर्माण विधि को लिखिए।

अथवा

पित्त विकार से उत्पन्न व्याधियों के विषय में लिखिए।

Q.5. रोगों के उपचार में रत्नों की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

Q.6. रोगोपचार की कितनी विधियाँ है प्रकाश डालिए।

Q.7. नव ग्रह दान का प्रयोजन एंव महत्व को अपने शब्दों में प्रस्तुत कीजिए।

Q.8. चिकित्सा ज्योतिष की प्रांसगिकता पर प्रकाश डालिए।

अथवा

वर्तमान परिप्रेक्ष में ज्योतिष शास्त्र के अध्ययन के क्या लाभ हैं स्पष्ट कीजिए।

****